N.11: Superannuations

The RRCAT family wishes a happy and healthy post-retirement life to the following colleagues :

- Shri H.S. Vora, SOH, LESD
  DoJ: 01.08.1982, DoR: 31.03.2017
- Shri A.K. Pandey, SAG, LCDFD
  DoJ: 14.12.1984, DoR: 30.06.2017
- Shri Tapan Kumar Nath, Sr.Techn/J, DMTD
  DoJ: 26.04.1982, DoR: 31.01.2017
- Shri R.K. Yadav, Tech Sup/A(Drg), IOABDD
  DoJ: 02.07.1984, DoR: 31.01.2017
- Late Shri S.S. Tomar, Techn/D, IOABDD
  DoJ: 22.10.1984, DoR: 30.04.2017
- Shri Girish K. Soni, Sr.Clerk, ADMIN
  DoJ: 12.01.1989, DoR: 01.03.2017
- Shri Dhanpal Singh, SG, ADMIN
  DoJ: 15.07.1993, DoR: 30.04.2017
- Shri Badrilal Tejram, SG, ADMIN
  DoJ: 08.12.1994, DoR: 31.01.2017
- Shri Mool Raj, SG, ADMIN
  DoJ: 01.09.1998, DoR: 31.05.2017
- Shri Jageshar, Work Astt./B, IRPSU
  DoJ: 09.05.2002, DoR: 30.04.2017

Shri H. S. Vora, Scientific Officer (H) and Head, Laser Electronics Support Division (LESD) laid down his office on 31st March 2017 on superannuation. He obtained M.Sc. degree from the Saurashtra University, Rajkot in 1981 and graduated from 25th batch of BARC Training School in 1982. Initially he was posted at Nuclear Research Centre, Srinagar where he developed various instruments and systems i.e. digital photometer, PPB level concentration measurements of H_2O_2, NO, NO_2 etc. He had developed software for Indian Post Office, the technology of which was transferred to Dept. of Post in 1990, and is being used till date. He was transferred to RRCAT in 1990. He has vastly contributed to development of software, instrumentation and control electronics for laser and accelerator programs. He has developed more than 60 proprietary software solutions for the R&D activities of RRCAT involving several specialized measurements. He has also been responsible for 3 technology transfers. He has published more than 50 research papers in international scientific journals. He was a recipient of five DAE Group Achievement Awards for excellence in Science and Technology. RRCAT family wishes Shri H. S. Vora and his family a happy, healthy and fulfilling retired life.

N.12: आरआरकेट में दिनांक 01 जनवरी 2017 से 30 जून 2017 तक आयोजित विभिन्न राजभाषा गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट

आरआरकेट के राजभाषा अनुभाग द्वारा माह जनवरी से जून 2017 के दौरान दो हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन आरआरकेट के सुरक्षा कार्मिकों एवं सीआईएसएफ कार्मिकों हेतु किया गया, जिनमें लगभग 40 प्रतिभागी उपस्थित थे। इस दौरान क्रमश: दिनांक 17 मार्च 2017 एवं 22 जून 2017 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का भी आयोजन किया गया, जिनमें इस केन्द्र में चल रही राजभाषा गतिविधियों एवं राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी मामलों पर चर्चा की गई। साथ ही माह फरवरी में आईआईएम, इन्दौर में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में प्रशासनिक अधिकारी श्री जी.वेंकटेशन, श्री आर.के. शर्मा एवं उप निदेशक (राजभाषा) ने भाग लिया, जिसमें इन्दौर स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों से राजभाषा गतिविधियों एवं उसके प्रयोग संबंधी छमाही प्रगति रिपोर्ट के बारे में चर्चा की गई। माह मार्च में इस केन्द्र की गृह पत्रिका ''प्रगति'' का प्रकाशन भी किया गया, जिसे इस केन्द्र के 'एफ' स्तर तक के वैज्ञानिक अधिकारियों को वितरित किया गया एवं गृह पत्रिका को इंफोनेट (infonet) पर भी उपलब्ध कराया गया है। हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रोत्साहन योजना के तहत पिछले वर्ष अप्रैल–2016 से दिसंबर–2016 तक की तीन तिमाहियों में क्रमश : 25, 22 एवं 20 कर्मचारी मिलाकर कुल 67 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी तरह हिन्दी टंकण/आशुलिपिक प्रोत्साहन योजना में पिछले वर्ष 01 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक चार तिमाहियों में कुल 12 कर्मचारियों को नकद पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2016 में आयोजित की गई विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के परिणाम माह मार्च में घोषित किए गए, जिसमें 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं कुल 237 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया एवं पुरस्कारों का वितरण माह जुलाई/अगस्त में किए जाने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर राजभाषा वार्ता का भी प्रस्ताव किया गया है। माह जून में निदेशक, आरआरकेट द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति का भी पुनर्गठन किया गया, जिसका विवरण इंफोनेट पर उपलब्ध है।

प्रस्तुति :
मनोज कुमार शर्मा
(manojsharma@rrcat.gov.in)